ITWIN®

Cymoxanil 50% WP for indigenous manufacture

(Systemic Fungicide)

Cymoxanil 50% WP is a broad spectrum systemic fungicide used for the control of downy mildew disease on grapes. Cymoxanil has a preventive and Curative Action.

Recommendation : Recommendation for use as foliar spray using high volume spraying equipment, such as knapsack sprayer, rocking sprayer, foot sprayer etc. are as under

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water	Waiting Period between last spray to harvest	Re-entry after each Application (in Hours)
		AI	Formulation			
Grapes	Downy Mildew	0.12%	0.24% or 240 gm/ 100 litre water	As required depending upon the crop stage & equipment used	15	

Direction of Use : As required depending upon the crop stage and equipment used

Precaution : 1. Do not inhale the content. Wear rubber gloves, goggles, face mask and protective clothing handling. Avoid remaining in drift of spray by applying the fungicide with the wind.
2. Read and follow all instructions on the label and leaflet very carefully. Save the container with label; to show to the physician in case of accidental poisoning.
3. Do not eat, drink, smoke or chew betel leaves while spraying. 4. Do not fill the spray tank beyond 3/4th of its capacity. Clean the blocked nozzle by a thin wire or pin and never by blowing the same. 5. In case of any spillage on the body it should be washed with plenty of water. 6. Always change clothing and take a bath as soon as fungicidal treatment is completed. 7. Call a physician immediately if any symptoms of poisoning appear in a person who is using or has recently used fungicide.

Symptoms of Poisoning : Ingestion of this material may cause temporary central nervous system depression with dizziness, headache, confusion, incoordination, weight loss, drowsiness or unconsciousness. Inhalation may cause eye irritation with tearing, pain or blurred vision, irritation of the nose and throat with sneezing, sore throat or runny nose and incoordination. Skin contact may cause irritation with itching, burning, redness, swelling or rash. Exposure to eyes may result in eye irritation with tearing, pain or blurred vision.

First Aid : If inhaled, remove to fresh air. If not breathing, give artificial respiration. If breathing is difficult, give oxygen. Call a physician. In case of contact with eyes, immediately flush with plenty of water for atleast 15 minutes. Call a physician. If on skin, wash with plenty of soap and water. Wash contaminated clothing before reuse. If swallowed, immediately give 2 glasses of water and induce vomiting. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call a physician.

Phytotoxicity : Cymoxanil 50 WP is not phytotoxic at recommended dosage.

Antidote : No specific antidote available, treat symptomatically.

Disposal of Used Container : Empty containers should not be re-used. Destroy the empty containers after use and bury them ½ meter deep in soil away from habitation. Surplus spray material or washing from machines and containers should be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water pollution.

Storage Conditions : Do not store or consume food, drink or tobacco in area where they become contaminated with this material. Store the fungicide in its original pack tightly closed away from the reach of children irresponsible persons and livestock in a separate room, away from the rooms used for storing foodstuff, animal feeds and other articles, under lock and key. The rooms or premises meant for storing shall be well built, cool, dry, well-lit and ventilated and should be of sufficient dimensions to avoid contaminated with vapour. Transport the fungicide in such a manner as not to come in contact with food stuffs and animal feed.

Caution :"Not to Be Used on Crops Other Than Specified on This Label/Leaflet".

Chemical Composition:

Cymoxanil Technical (Based on a.i. 96% purity)	52.10 % w/w
Dispersing agent-Ligno sulfonate Salt-Cal-lignosulfonate	6.00 % w/w
Wetting agent-Sodium diisopropyl-napyjalene sulfonate	2.00 % w/w
Stabilizing Agent-Paraformaldehyde	1.00 % w/w
Silica	0.20 % w/w
Diluent-Barden Clay	38.70 % w/w
Total	**100.000 % w/w**

English

इटविन

साईमोक्सैनिल ५०% घुलनशील पाउडर केवल स्वदेशी उत्पादन के लिए

(अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक)

साईमोक्सैनिल ५०% घुलनशील पाउडर एक बहुउपयोगी अन्तर्वाही फफूंदीनाशक है जो अंगूर की मृदुरोमिल आसिता बीमारी पर प्रभावकारी है।

उपयोग: उच्च आयतन छिड़काव यंत्रो, जैसे पीठ पर लादकर चलाने वाला छिड़काव यंत्र, ढोलन छिड़काव यंत्र पैर चलित छिड़काव यंत्र, आदि से फसल पर पर्णीय छिड़काव द्वारा फफूंदी नियंत्रण के लिए निम्नलिखित मात्रा में उपयोग करें।

फसल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा	अन्तिम छिड़काव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल	पुनः प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बीच (घंटे)
		स. तत्व	संरचना			
अँगूर	मृदुरोमिल आसिता	०.१२%	०.२४% या २४० ग्रैम/ १०० लीटर पानी	पानी की मात्रा उपयोग किये जाने वाले उपकरण व फसल की स्थिति पर निर्भर करता है	१५	

उपयोग के लिए निर्देश : पानी की मात्रा उपयोग किये जाने वाले उपकरण व फसल की स्थिति पर निर्भर करता है।

प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियाँ : १. इसे न स्पर्श करें और न ही सूंघे। प्रयोग करते समय दस्ताने, चश्मा, मुखौटा और सुरक्षात्मक कपड़ों का प्रयोग करें। फफूंदीनाशक को हवा की दिशा में ही छिड़काव करें और इसकी फुआर में न जायें। २. लेबल व सुचना प्रपत्र में दिये गये सभी निर्देशो को ध्यानपूर्वक पढ़े व इनका पालन करें। आकस्मित विष प्रभाव होने पर फफूंदीनाशक का डिब्बा तथा सूचना प्रपत्र चिकित्सक को दिखाने के लिए सम्भाल कर तैयार रखें। ३. प्रयोग करते समय खाए, पेय और धुम्रपान का सेवन न करें और न ही पान चबायें। ४. छिड़काव टंकी को उसकी क्षमता के ३/४ हिस्से तक ही भरे। छिड़काव यन्त्रो की टोटी बन्द हो जाये तो उसे मुँह से हवा देकर खोलने के बजाए तार या पिन से साफ करे। ५. शरीर के किसी भी भाग पर गिर जाये तो खूब पानी से धोयें। ६. प्रयोग के तुरन्त बाद नहाकर कपडे बदल लें। ७. फफूंदीनाशक का प्रयोग करते समय या तुरन्त बाद किसी व्यक्ति में विष प्रभाव के लक्षण दिखाई दें तो तुरन्त चिकित्सक को दिखाएं।

विष के लक्षण : निगलने पर अस्थिर केन्द्रिय नाडी तन्त्र, सर चकराना, सर दर्द, असन्तुलन, दिल बैठना और बेहोशी हो सकती है, पदार्थ को सूंघने पर आँखो की जलन, पानी आना, धुंधलापन, गले और नाक में जलन, नाक बहना, गले में खराश, छिकना और त्वचा के सम्पर्क मे आने पर की खुजली, जलन, लाली, सूजन और दाने पडने की सम्भावना है। आँखों से स्पर्श होने पर जलन, पानी आना, धुंधलापन और आँखो में दर्द हो सकता है।

प्राथमिक चिकित्सा : यदि सांस द्वारा लिया हो, तो खुली हवा में ले जाये। यदि सांस न चल रही हो तो तुरंन्त कृत्रिम सांस दे। चिकित्सक को बुलाए। आँख से स्पर्श होने पर, तुरन्त ठण्डे पानी से कम से कम १५ मिनट तक अच्छी तरह धोए तथा चिकित्सक को बुलाये। त्वचा से सम्पर्क होने पर खुब पानी और साबून से धोऐ। प्रयोग किए हुए कपडों को धो डाले। यदि निगल लिया हो तो दो गिलास पानी पिलाकर उल्टी कराए। हेहोश व्यक्ति को कभी भी मूँह से कुछ भी न दे। तुरन्त चिकित्सक को बुलाये।

पौधविशाक्तता : साईमोक्सैनिल ५०% घु.घु. निर्देशानुसार प्रयोग किये जाने पर फसलों पर विषैला प्रभाव नहीं करता है।

विषनाशक: कोई खास विष प्रतिरोधक नही, लक्षणानुसार इलाज करे।

खाली डिब्बों का निपटारा : खाली डिब्बे दोबारा उपयोग में न लाये। उपयोग के बाद खाली डिब्बो को तोड़ कर रहने के स्थान से दूर मिट्टी में १/२ मीटर गहरा गाढ दें। इन्हे खुला न छोड़े ताकि दोबारा काम में न लाया जा सके फालतू बचे हुए छिड़काव पदार्थ एवं धोवन का निपटारा करते समय वातावरण जल और खाद्य पदार्थो को फफुंदीनाशक के प्रदूषण से बचाए।

संग्रहण की शर्ते : खाद्य, पेय या धुम्रपान की सामग्री का भण्डारण अथवा सेवन ऐसे स्थान में न करे जहां इन पदार्थो का भण्डारण हो। फफुंदीनाशक को उसके मुख्य डिब्बे में कसकर बन्द कर एक अलग कमरे में रखें जहाँ बच्चे, गैर जिम्मेदार व्यक्ति तथा पशु न पहुंच सके। यह स्थान खाद्य पदार्थ, पशु आहार व अन्य सामग्री रखने की जगह से दूर हो ताला ताला बन्द रखा जाए जो सुरक्षित, ठण्डा, सूखा, प्रकाशमय व हवादार तथा पर्याप्त लम्बाई, चौडाई व उँचाई का होना चाहिए जिससे सांस दुवारा प्रभाव न हो। फफुंदनाशक का परिवहन इस प्रकार करे कि खाद्य पदार्थ व पशु आहार के सम्पर्क में ना जायें।

चेतावनी : इस लेबल /पत्रिका में निर्देशित किये गये फसलों के अलवा अन्य फसलों पर इस्तेमाल ना करें।

रासायनिक संरचना:

साईमोक्सैनिल टेक्निकल (स.त. न्यूनतम ९६%)	५२.१० % भा/भा
डिस्पर्जिन एजेंट–लिग्नोसलफोनेटसॉल्ट–कॉल लिग्नोसलफोनेट	६.०० % भा/भा
वेटिंग एजेंट–सोडियम डाईआइसोप्रोपाइल नाफथलीन सलफोनेट	२.०० % भा/भा
पाराफार्माल्डिहाइड	१.०० % भा/भा
सिलिका	०.२० % भा/भा
डायूलेंट–वार्डन क्ले	३८.७० % भा/भा
योग	**१००.००० % भार/भार**

Hindi

इटविन

सायमोक्झेनिल ५०% डब्ल्युपी अंतरप्रवाही उत्पादकांसाठी

(अंतरप्रवाही बुरशीनाशक)

सायमोक्झेनिल ५०% डब्ल्युपी एक बहुविध कार्यकारी दैहिक बुरशीनाशक आहे जे द्राक्षांवरील तंतुमुरीच्या नियंत्रणाकरिता वापरले जाते. सायमोक्झेनिलची क्रिया प्रतिबंधात्मक आणि उपचारात्मक असते.

शिफारस: नॅपसॅक स्प्रेयर, रॉकिंग स्प्रेयर, फुट स्प्रेयर इ. सारखे उच्च प्रमाणात फवारणी करणारे उपकरण वापरून पानांवरील फवारणीची शिफारस, खालीलप्रमाणे

पीक	किडीचे नाव	मात्रा/हेक्टर		पाण्यामधील विरलन	मागील फवारणीपासून काढणीपर्यंतचा मधला कालावधी	प्रत्येक वापरानंतर पुन:प्रवेश
		क्रि.घ.	सूत्रीकरण			
द्राक्ष	डाऊनी मिल्ड्यू.	०.१२%	०.२४% किंवा १०० लीटर पाण्यामध्ये २४० ग्रैम	पीक अवस्था आणि वापरलेल्या उपकरणावर आधारित आवश्यकतेनुसार	१५	

वापरासाठी सूचना : पीक अवस्था आणि वापरलेल्या उपकरणावर आधारित आवश्यकतेनुसार

खबरदारी : १. पदार्थ श्वासावाटे आत घेऊ नका. पदार्थ हाताळताना रबराचे हातमोजे, गॉगल्स, मुखवट आणि संरक्षक वस्त्र घाला. बुरशीनाशक वाऱ्याच्या दिशेने फवारून फवाऱ्याचा वाटेत राहणे टाळा. २. लेबल व पत्रकावरील सर्व सूचना काळजीपूर्वक वाचा. अपघाती विषबाधा झाल्यास डॉक्टरांना दाखवण्यासाठी कंटेनर लेबलसकट जतन करा. ३. फवारणी करताना खाऊ, पिऊ, धूम्रपान करू नका किंवा विड्याचे पान खाऊ नका. ४. फवारणीची टाकी तिच्या क्षमतेच्या ३/४ इन्न जास्त भरू नका. चोंदलेली तोटी बारीक तारने किंवा पिनने साफ करा आणि कधीही तिच्यावर फुंकर मारू नका. ५. पदार्थ अंगावर पडल्यास भरपूर पाण्याने स्वच्छ धुवून काढा. ६. बुरशीनाशक उपचार देऊन पूर्ण झाल्यावर नेहमी कपडे बदलून आंघोळ करा. ७. बुरशीनाशक वापरणाऱ्या किंवा अलीकडे वापरून झालेल्या व्यक्तीमध्ये विषबाधेची लक्षणे दिसू लागली तर तत्काळ डॉक्टरांना बोलवा.

विषबाधेची लक्षणे : द्राक्ष पदार्थाचे सेवन केल्याने तात्कालिक स्वरूपात केंद्रीय चेतासंस्थेचे अवनमन होऊ शकते व सोबत मोवळ, डोकेदुखी, गोंधळ, असमन्वय, वजनात घट, सुस्ती किंवा बेशुद्धी येऊ शकते. श्वासावाटे आत घेतल्याने डोळ्यांना दाह होऊन अश्रू, वेदना किंवा दृष्टी धूसर होऊ शकते, नाकात आणि घशात दाह होऊन शिंका, घसा येणे किंवा गळके नाक आणि असमन्वय ही लक्षणे उद्भवू शकतात. त्वचेच्या संपर्कात आल्याने दाह होऊन खाज, जळजळ, लालसरपणा, सूज किंवा पुरळ उद्भवू शकतात. डोळ्यांशी संपर्क आल्याने डोळ्यांना दाह होऊन अश्रू, वेदना किंवा दृष्टी धूसर होऊ शकते.

प्रथमोपचार : श्वासावाटे आत गेल्यास रुग्णाला मोकळ्या हवेत न्या. श्वास घेत नसेल तर कृत्रिम श्वास द्या. श्वास घेणे कठीण होत असेल, तर ऑक्सिजन द्या. डॉक्टरांना बोलवा. डोळ्यांशी संपर्क झाल्यास, लगेचच किमान १५ मिनिटे भरपूर पाण्याने धूत राहा. डॉक्टरांना बोलवा. त्वचेवर पडल्यास, भरपूर साबण व पाण्याने धुवा. दूषित कपडे पुन्हा वापरण्यापूर्वी धुवून घ्या. गिळल्यास, लगेचच २ पेले पाणी देऊन उलट्या काढा. बेशुद्ध व्यक्तीला तोंडावाटे काहीही देऊ नये. डॉक्टरांना बोलवा.

वनस्पतीविषजन्यता : सायमोक्झेनिल ५० डब्ल्युपी सुचवलेल्या मात्रेमध्ये पादपविषारी नाही.

उतारा : कोणताही विशिष्ट उतारा उपलब्ध नाही, लक्षणानुसार इलाज करा.

वापरलेल्या कंटेनरची विल्हेवाट : रिकामे कंटेनर पुन्हा वापरू नये. वापरानंतर रिकामे कंटेनर नष्ट करा आणि त्यांना वस्तीपासून दूर मातीमध्ये १/२ मीटर खोल पुरा. फवारणीचे उरलेले पदार्थ किंवा मशीनमधील धुवण आणि कंटेनर सुरक्षित पद्धतीने पर्यावरणाचे आणि पाण्याचे प्रदूषण होणार नाही अशा रीतीने नष्ट करावे.

साठवणीच्या परिस्थिती : द्राक्ष पदार्थाने दूषित होण अशा जागी अन्नपदार्थ, पेये किंवा तंबाखू जतन किंवा सेवन करू नका. बुरशीनाशक त्याच्या मूळ पॅकमध्ये घट्टपणे बंद करून लहान मुलांच्या, बेजबाबदार व्यक्तींच्या आणि पशुंच्या हाती लागणार नाही असे, एका वेगळ्या खोलीत, अन्नपदार्थ, पशुखाद्य आणि इतर वस्तूं साठवावच्या खोल्यांपासून दूर कुलुपबंद करून ठेवा. साठवणीसाठीच्या खोल्या किंवा वास्तू सुबद्ध, थंड, कोरड्या, सुप्रकाशित आणि हवेशीर असाव्यात आणि बाष्पाही दूषण होऊ नये म्हणून पुरेशा मोजमापाच्या असाव्यात. बुरशीनाशकाची नेआण अशा रीतीने करा की ते अन्नपदार्थांच्या आणि पशुखाद्याच्या संपर्कात येणार नाही.

सावधान : 'ह्या लेबलवर / पत्रकावर नमूद केलेल्या पिकांव्यतिरिक्त इतर कोणत्याही पिकावर वापरू नये.'

रासायनिक संघटन :

सायमोक्झेनिल टेक्निकल (क्रि.घ. ९६% शुद्धतेवर आधारित)	५२.१० % व/व
अपस्कारक – लाग्नो सल्फोनेट–सॉल्ट – कॅल – लाग्नो सल्फोनेट	६.०० % व/व
आर्द्रक – सोडियम डायआयसोप्रोपाइल नॅपीर्जलीन सल्फोनेट	२.०० % व/व
स्थिरकारी – पॅराफॉर्मलडीहाइड	१.०० % व/व
सिलिका	०.२० % व/व
विरलकारक – बार्डन क्ले	३८.७० % व/व
एकूण	**१००.०००% व/व**

Marathi

ઈટવિન

સ્વદેશી ઉત્પાદન માટે સાઇમોક્સેનિલ ૫૦% ડબ્લ્યુપી

(આંતરપ્રવાહી ફૂગનાશક)

સાઇમોક્સેનિલ ૫૦% ડબ્લ્યુપી એ એક બહુઉપયોગી આંતરપ્રવાહી ફૂગનાશક છે, જેનો ઉપયોગ દ્રાક્ષના પાકમાં ડાઉની માઇલ્ડ્યુને નિયંત્રિત કરવા માટે થાય છે. સાઇમોક્સેનિલ નિવારક અને રોગનાશક પ્રભાવ ધરાવે છે.

ભલામણ: નેપસેક સ્પ્રેયર, રોકિંગ સ્પ્રેયર, ફુટ સ્પ્રેયર વગેરે જેવા હાઈ વોલ્યુમ ફોલિયર સ્પ્રેમાં ઉપયોગ કરીને પાંદડીઓ પર છંટકાવ કરવા માટે ઉપયોગમાં લેવાની ભલામણો અહીં નીચે મુજબ છે:

પાક	રોગોનું સર્વસામાન્ય નામ	માત્રા/હેક્ટર		પાણીમાં મંદન	છેલ્લાં છંટકાવ અને લણણી વચ્ચે રહ્યે રહ્યે જોવાળો સમયગાળો	પ્રત્યેક છંટકાવ બાદ કરીશી પ્રવેશ (કલાકમાં)
		સ.ત.	સૂત્રીકરણ			
દ્રાક્ષ	ડાઉની માઇલ્ડ્યૂ.	૦.૧૨%	૦.૨૪% અથવા ૨૪૦ ગ્રામ/ ૧૦૦ લીટર પાણી	પાકની તબક્કા અને ઉપયોગમાં લેવાતા ઉપકરણ પર આધાર રાખી જરૂરિયાત મુજબ	૧૫	

ઉપયોગના નિર્દેશ : પાકના તબક્કા અને ઉપયોગમાં લીધેલા ઉપકરણ પર આધાર રાખી જરૂરિયાત મુજબ.

સાવચેતી : ૧. સામગ્રીને શ્વાસમાં જતી અટકાવો. ઉપયોગમાં લેતી વખતે રબરના હાથમોજાં, ગૉગલ્સ, ફેસ માસ્ક અને સંરક્ષણાત્મક વસ્ત્રો પહેરો. ફૂગનાશકનો છંટકાવ હવાની દિશામાં કરી તેના ફુવારાના સંસર્ગમાં આવવાથી બચો.
૨. લેબલ અને લીફલેટ પર આપવામાં આવેલા તમામ સૂચનોને ધ્યાનથી વાંચો અને તેનું પાલન કરો. લેબલ ધરાવતા ડબ્બાને સાચવી રાખો, જેથી કરીને આકસ્મિક રીતે ઝેર ચઢવાની ઘટના બને તો તેને ફીઝિશિયનને બતાવી શકાય. ૩. છંટકાવ કરતી વખતે તમાકુ ખાશો, પીશો, ચાવશો નહીં કે ધૂમ્રપાન કરશો નહીં. ૪. સ્પ્રેની ટાંકીને તેની ક્ષમતાથી ૩/૪ થી વધારે ભરશો નહીં. ભરાઈ ગયેલા નોઝલને પાતળા વાયર કે પિન વડે સાફ કરો, તેમાંથી ફુવારો છોડીને નહીં. ૫. શરીર પર ફૂગનાશકની સામગ્રી ઢોળાવાના કિસ્સામાં તેને ખૂબ વધારે માત્રામાં પાણી વડે સાફ કરવી જોઇએ. ૬. ફૂગનાશક દ્વારા શ્વસી ઉપચારની પ્રક્રિયા પૂરી થયાની સાથે જ કપડાં બદલીને નાંખો અને સ્નાન કરી લો. ૭. ફૂગનાશકનો ઉપયોગ કરી રહેલી અથવા તો જેમણે હાલમાં જ તેનો ઉપયોગ કર્યો હોય તેવી કોઈ વ્યક્તિને ઝેર ચઢવાનાં લક્ષણો જણાય તો, તાત્કાલિક ફીઝિશિયનને બોલાવો.

ઝેર ચઢવાનાં લક્ષણો : આ સામગ્રી જો ગળી જવામાં આવે તો તેના કારણે કેન્દ્રીય ચેતાતંત્રમાં કામચલાઉ રીતે પિંજરાં આવી જવાથી માથું ભમવું, માથું દુઃખવું, મૂંઝવણ થવી, સંકલન ન કરી શકવું, વજન ઉતરી જવું, ઊંઘ આવવી કે બેભાન થઈ જવું જેવી સમસ્યાઓ થઈ શકે છે. શ્વાસમાં જવાથી આંખોમાંથી પાણી નીકળવાની સાથે બળતરા, દુઃખાવો થઈ શકે છે, ક્રિષ્ટિ ધૂંધળી થઈ શકે છે, ગળું આવી શકે છે અથવા નાક વહી શકે છે અને સંકલન સાધી શકાતું નથી. ચામડીના સંપર્કમાં આવવાથી ખંજવાળ આવવી, બળતરા થવી, લાલ ચકામા પડી જવા, સોજો આવી જવો કે રેશ પડી જઈશકે છે.

પ્રાથમિક ઉપચાર : જો ગળી જવામાં આવે તો, દર્દીને તાજી હવામાં લઈ જાઓ. જો શ્વાસ ન લઈશકાતા હોય તો, તેમને કૃત્રિમ શ્વસન આપો. જો શ્વાસ લેવામાં તકલીફ પડે તો, ઑક્સિજન આપો. ડૉક્ટરિયનને બોલાવો. આંખોના સંસર્ગમાં આવવાના કિસ્સામાં તાત્કાલિક ખૂબ વધુ માત્રામાં પાણી વડે આંખોને ઓછામાં ઓછી ૧૫ મિનિટ સુધી પૌંખળો. ફીઝિશિયનને બોલાવો. જો ચામડી પર પડે તો, તેને સાબુ અને પાણી વડે ધોઈ નાંખો. દૂષિત થયેલા કપડાંને ફરીથી ઉપયોગમાં લેતા પહેલાં સારી રીતે ધોઈ નાંખો. જો ગળી જવામાં આવે તો, દર્દીને તરત જ ૨ગ્લાસ પાણી આપી અને ઉલટી કરાવો. બેભાન વ્યક્તિને ક્યારેય કંઈપણ મોં વાટે આપશો નહીં. ફીઝિશિયનને બોલાવો.

કાયટોટોક્સિસિટી : સાઇમોક્સેનિલ ૫૦ ડબ્લ્યુપીની ભલામણ કરવામાં આવેલી માત્રાનો ઉપયોગ કરવામાં આવે તો, તે ઝેરી નથી.

વિષનાશક : કોઈ ચોક્કસ વિષનાશક જાણમાં નથી, લક્ષણો મુજબ સારવાર કરો.

ઉપયોગમાં લીધેલા ડબ્બાઓનો નિકાલ : ઉપયોગમાં લીધેલાં ડબ્બાઓને ફરીથી ઉપયોગમાં લેવા જોઇએ નહીં. ઉપયોગમાં લીધા બાદ ખાલી ડબ્બાઓને તોડીને માનવવસ્તીથી દૂર જમીનમાં ૧/૨ મીટર ઊંડે દાટી દો. છંટકાવની વધારાની સામગ્રી કે મશીનમાંથી નીકળેલા ધોવાણ અને ડબ્બાઓનો નિકાલ સલામત રીતે કરવો જોઇએ, જેથી પર્યાવરણ અને પાણીને પ્રદૂષિત થતાં અટકાવી શકાય.

સંગ્રહની સ્થિતિ : આ પદાર્થથી જે જગ્યા દૂષિત થઈ ગઈ હોય ત્યાં ખાદ્યચીજો, પીણાં કે તમાકુને સંગ્રહિત કરશો નહીં કે અહીં ઈંઢપાણ ખાશો, પીશો કે ધૂમ્રપાન કરશો નહીં. ફૂગનાશકને તેના મૂળ ડબ્બામાં સુરત રીતે બંધ રાખો તથા તેને બાળકો, બેજવાબદાર લોકો અને પશુધનની પહોંચથી દૂર ખાધચીજો, પ્રાણીઓના ચારા અથવા ચીજવસ્તુઓ સંગ્રહિત કરવા માટે ઉપયોગમાં લેવાતા રૂમથી અલગ રૂમમાં તાળાબંધ સ્થિતિમાં બંધ રાખો. ફૂગનાશકનો સંગ્રહ કરવા માટેના રૂમ કે પરિસર સારી રીતે બંધાયેલા, ઠંડા, શુષ્ક, યોગ્ય હવાઉજાસ ધરાવતા હોવા જોઇએ તથા તેને બાષ્પથી દૂષિત થતાં અટકાવવા માટે પૂરતાં મોટા હોવા જોઇએ. ફૂગનાશકનું પરિવહન એ રીતે કરવું જોઇએ કે તે ખાદ્યચીજો અને પ્રાણીઓના ચારાના સંપર્કમાં ન આવે.

ચેતવણી : "આ લેબલ/લીફલેટમાં દર્શાવવામાં આવેલા પાક સિવાયના પાક પર ઉપયોગમાં લેશો નહીં."

રાસાયણિક સંરચના:

સાઇમોક્સેનિલ ટેકનિકલ (૯૬% શુદ્ધતાના આધારિત)	૫૨.૧૦ % ભાર/ભાર
પ્રસરણ કરનાર ઘટક–લિગ્રો સલ્ફોનેટ સોલ્ટ–કેલ–લિગનોસલ્ફોનેટ	૬.૦૦ % ભાર/ભાર
ભીનું કરનાર ઘટક–સોડિયમ ડાઈઆઈસોપ્રોપાઈલ નેપ્થેલીન સલ્ફોનેટ	૨.૦૦ % ભાર/ભાર
સ્થિરકારી – પૅરાફૉર્મલડીહાઇડ	૧.૦૦ % ભાર/ભાર
સિલિકા	૦.૨૦ % ભાર/ભાર
ડાઈલ્યુએન્ટ–બાર્ડન ક્લે	૩૮.૭૦ % ભાર/ભાર
કુલ	**૧૦૦.૦૦૦% ભાર/ભાર**

Gujarati

ইটবিন

স্পেশাল উৎপাদন জন্য সাইমোক্সেনিল ৫০% ডব্লিউপি

(ফুঙ্গিসাইড)

সাইমোক্সেনিল ৫০% ডব্লিউপি একটি ব্রোড স্পেক্ট্রাম সিস্টেমিক ফুঙ্গিসাইড যা ডাউনি মিলডিউ নিয়ন্ত্রণের জন্য ব্যবহৃত হয়। সাইমোক্সেনিল প্রিভেন্টিভ এবং কিউরেটিভ অ্যাকশন।

সুপারিশ : ন্যাপসাক স্প্রেয়ার, রকিংস্প্রেয়ার, ফুট স্প্রেয়ার ইত্যাদির মতো হাই ভলুম স্প্রে করার সরঞ্জাম ব্যবহার করে পাতায় ছেটানো হিসাবে ব্যবহারের জন্য সুপারিশ হয় নিম্নরূপে।

ফসল (সমূহ)	রোগের প্রচলিত নাম	মাত্রা / হেক্টর		জলে তরলীকরণ	শেষ স্প্রে থেকে ফসল সংগ্রহের মধ্যে অপেক্ষার সময়কাল (দিন)	প্রত্যেক প্রয়োগের পর পুনঃপ্রবেশ (ঘণ্টা)
		গ্রাম টা	ফরমুলেশন			
আঙুর	ডাউনি মিলডিউ	০.১২%	০.২৪% বা ২৪০ গ্রাম/ ১০০ লিটার জল	ফসলের পর্যায় এবং ব্যবহৃত উপাদানের ওপর নির্ভর করে প্রয়োজন মতো	১৫	

ব্যবহারের নির্দেশ : ফসলের পর্যায় এবং ব্যবহৃত সরঞ্জামের ওপর নির্ভর করে প্রয়োজন মতো।

সাবধানতা : ১. উপাদান শ্বাসে নেবেন না। নাড়াচাড়া করার সময় রাবার গ্লাভস, গগলস, ফেস মাস্ক এবংসুরক্ষামূলক পোশাক পরবেন। হাওয়া চলাকালীন ছত্রাকনাশক প্রয়োগের দ্বারা আসা স্প্রে'র কণা এড়াবেন।
২. লেবেল এবংলিফলেটে দেওয়া সকল নির্দেশ খুব মন দিয়ে পড়ুন এবংঅনুসরণ করুন। প্যাকের লেবেল সংরক্ষণ করুন, যাতে দুর্ঘটনাবশতঃ বিষাক্ততার ক্ষেত্রে চিকিৎসককে দেখাতে পারেন। ৩. স্প্রে করার সময় খাওয়া, পানীয় পান, ধূমপান করা বা পান চেবানো নিষেধ। ৪. স্প্রে ট্যাঙ্কের ধারণক্ষমতার ৩/৪ অংশের বেশী ভরবেন না। বন্ধ হওয়া নজল সরু তার বা পিন দিয়ে পরিষ্কার করবেন, মুখ দিয়ে ফুঁ মেরে নয়। ৫. শরীরের ওপর ছলকে আসার কেত্রে প্রচুর জল দিয়ে ধোবেন। ৬. ছত্রাকজনিত পরিচর্যা সম্পূর্ণ হওয়ার পর অবিলম্বে স্নান করবেন এবংপোশাক বদলাবেন। ৭. ছত্রাকনাশক ব্যবহার করছেন বা সম্প্রতি ব্যবহার করেছেন এমন ব্যক্তির মধ্যে বিষাক্ততার কোনও লক্ষণ দেখা দিলে অবিলম্বে চিকিৎসক ডাকবেন।

বিষাক্ততার লক্ষণাদি : এই উপাদান গিলে ফেলার কারণে মাথাঘোরা, মাথাধরা, হতবুদ্ধি, অসমতাল, ওজন কমা, ঝিমুনিভাব বা অচেতন অবস্থা সহ সাময়িক কেন্দ্রীয় স্নায়ুতন্ত্রের বিষাক্ততা হতে পারে। শ্বাসে যাওয়ার কারণে অশ্রুপাত, বেদনা বা ঝাপ্সা দৃষ্টি, হাঁচি সহ নাক ও গলার অস্বস্তি, গলক্ষত, বা নাক দিয়ে জল ঝরা এবংঅসমতাল হতে পারে। ত্বকের সঙ্গে সংস্পর্শের ক্ষেত্রে চুলকানি, জ্বালা করা, লালচেভাব, ফোলা বা র‍্যাশ সহ অস্বস্তি হতে পারে। চোখে যাওয়ার ফলস্বরূপ অশ্রুপাত, বেদনা বা ঝাপ্সা দৃষ্টি সহ চোখের অস্বস্তি হতে পারে।

প্রাথমিক চিকিৎসা : শ্বাসে গেলে, মুক্ত বায়ুতে সরিয়ে নেবেন। শ্বাস না নিলে, কৃত্রিম শ্বসন দেবেন। শ্বাসকষ্ট হলে, অক্সিজেন দেবেন। চিকিৎসক ডাকবেন। চোখের সঙ্গে সংস্পর্শের ক্ষেত্রে, কমপক্ষে ১৫ মিনিট ধরে প্রচুর জলের ঝাপ্টা দেবেন। চিকিৎসক ডাকবেন। ত্বকে লাগলে, সাবান ও প্রচুর জল ধোবেন। গিলে ফেললে, দুষিত পোশাক পুনরায় ব্যবহার করার আগে কাচবেন। গিলে ফেললে, অবিলম্বে ২ গ্লাস জল পান করতে এবংবমি করতে প্রোচোচিত করবেন। অচেতনা ব্যক্তিকে মুখের মাধ্যমে কখনো কোনকিছু দেবেন না। চিকিৎসক ডাকবেন।

বিষক্রিয়াতা : সুপারিশকৃত মাত্রায় সায়মক্সানিল ৫০% ডব্লুপি'র বিষক্রিয়াতা নেই।

প্রতিষেধক : সুনির্দিষ্ট কোনও প্রতিষেধক পাওয়া যায় না, লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা।

ব্যবহৃত পাত্রের বিনষ্টিকরণ : খালি পাত্রগুলো পুনরায় ব্যবহৃত হবে না। ব্যবহার করার পর খালি পাত্রগুলো বিনষ্ট করবেন এবংজনবসতি থেকে দূরে মাটিতে ১/২ মিটার গভীরে পুঁতে ফেলবেন। উদ্বৃত্ত স্প্রে উপাদান বা মেশিন এবংপাত্র ধোওয়া তরলাদি এমন নিরাপদ উপায়ে নিষ্কিরকতে হবে, যাতে পরিবেশগত এবংজলের দূষণ প্রতিরোধ হয়।

মজুতকরণের অবস্থাদি : এই উপাদানের সঙ্গে দূষিতে পরিণত হতে পারে এমন জায়গায় খাদ্য, পানীয় বা তামাক মজুত বা সেবন করবেন না। ছত্রাকনাশক অরিজিন্যাল প্যাকে দৃঢ়ভাবে বন্ধ করে শিশুদের, বিশেষতঃ খাদ্য পদার্থ, পশুখাদ্য ও অন্যান্য সামগ্রী মজুত করার জন্যে ব্যবহৃত ঘর থেকে দূরে পৃথক ঘরে মজুত করতে হবে। মজুত করার ঘর বা পরিসর হতে হবে সুনির্মিত, শীতল, শুষ্ক, সুআলোকিত ও বাতাম্নিত এবংবাষ্প দ্বারা দূষণ এড়াতে পর্য্যাপ্ত আয়তন যুক্ত। খাদ্য পদার্থ ও পশুখাদ্যের সংস্পর্শে আসে এমনভাবে ছত্রাকনাশক পরিবহন করবেন না।

সাবধান : "এই লেবেল/লিফলেটে উল্লিখিত ছাড়া অন্য কোনও ফসলের ওপর ব্যবহৃত হবে না"।

রাসায়নিক সংশ্লিশণ :

সায়মক্সানিল টেকনিক্যাল (সং উঃ ৯৬% বিশুদ্ধতা ভিত্তিতে)	৫২.১০ % ওজন/ওজন
ছড়িয়ে পড়ার পদার্থ-লিগনো সালফোনেট সল্ট-ক্যাল-লিগনোসালফোনেট	৬.০০ % ওজন/ওজন
সিক্তকারী পদার্থ-সোডিয়াম ডাইইসোপ্রোপাইল-ন্যাপাইজলিন সালফোনেট	২.০০ % ওজন/ওজন
স্থিতিস্থাপক পদার্থ - প্যারাফর্মালডিহাইড	১.০০ % ওজন/ওজন
সিলিকা	০.২০ % ওজন/ওজন
ডাইলুয়েন্ট-বার্ডেন ক্লে	৩৮.৭০ % ওজন/ওজন
মোট	**১০০.০০০% ওজন/ওজন**

Bengali

ITWIN®

Systemic Fungicide

साईमोक्सैनिल ५०% घुलनशील पाउडर केवल स्वदेशी उत्पादन के लिए

अंर्तप्रवाही फफूंदीनाशक

Manufactured & Marketed by:
Indofil Industries Limited,
Regd. Office : Kalpataru Square, 4th Floor, Kondivita Road, Off Andheri-